# TOB बालमंच

WORLD CHILDREN'S DAY 20 NOVEMBER
unicef

मासिक    नवम्बर, 2020    नन्हीं कलम से ………. ✍

बाल दिवस विशेषांक | बाल अधिकार सप्ताह (14 से 20 नवम्बर)

ग्राफिक्स डिजाइनर :- त्रिपुरारि राय
म. वि. रौटी, महिषी (सहरसा)

अंक – षष्ठम्

संपादिका :- रूबी कुमारी
उ. म. वि. सरौनी, बौंसी


## सम्पादकीय

बालमंच नन्हे-मुन्ने बच्चों का ऐसा सुनहरा मंच है जहाँ उनके सर्वांगीण विकास का पूरा ध्यान रखा जाता है। यह मंच बच्चों को सह-शैक्षिक गतिविधियों के लिए प्रेरित करती है, ताकि हमारे बच्चों में छिपी असीम प्रतिभा को पूरी दुनिया देख सके और उसे एक नई पहचान मिले। इस पत्रिका को सामने लाने के कई उद्देश्य हैं जैसे कि- बच्चों के सृजनात्मकता को बढ़ावा देना, बच्चों में कुछ नया करने की इच्छा जागृत करने में उत्प्रेरक का काम करना, बच्चों द्वारा रचनाओं व चित्र आदि को एक नई पहचान दिलाना, बच्चों को भावी लेखक तथा कवि कवयित्री के रूप में तैयार करना तथा बच्चों में सीखने सिखाने की ललक पैदा करना आदि। बालमंच बच्चों को विभिन्न प्रकार के शिक्षण-अधिगम के अवसर प्रदान करता है अतः यह बाल अधिकार संरक्षण में भी सहायक है। बच्चों तथा बालमंच के उज्जवल भविष्य की कामना के साथ.....

**रूबी कुमारी**
**सहायक शिक्षिका,**
**UMS सरौनी ,बौंसी (बाँका)**

## शुभकामना सन्देश

– संदेश –

TOB द्वारा प्रकाशित बच्चों की पत्रिका "बालमंच" बच्चों के लिए ही नहीं शिक्षकों के लिए भी एक बेहतरीन पत्रिका है। यह नवाचार का एक अच्छा साधन है। शिक्षक इस बालमंच में बच्चों द्वारा अव्वल क्रियाशीलता, गतिविधि को नन्हीं कलम से प्रदर्शित करना चाहते हैं। मैंने मासिक अक्टूबर 2020 अंक देखा एवं अनुभव किया कि शिक्षक यदि इस पत्रिका के प्रकाशन में थोड़ी भी रुचि लेते हैं तो कई बच्चों की प्रतिभा निखर सकती है। मैं बालमंच के सामग्री संकलन कर्ता श्री त्रिपुरारी राय एवं संपादक श्रीमती रूबी कुमारी तथा प्रकाशक Teachers of Bihar को बधाई एवं शुभकामना देता हूँ एवं विश्वास करता हूँ कि यह "बालमंच" निरंतर व नियमित प्रत्येक माह प्रकाशित होते रहे।

धन्यवाद

संजय कुमार
राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी
BEPC, Patna

# उदबोधन

**त्रिपुरारि राय**
**ग्राफिक्स डिजाईनर, बालमंच**

आप सबों के बीच बालमंच का **षष्ठम्** संस्करण को प्रस्तुत करते हुए हमें अपार खुशी हो रही है | आप सभी शिक्षकों और बच्चों को बाल अधिकार सप्ताह (14 से 20 नवंबर) के अवसर पर बाल दिवस विशेषांक के प्रस्तुति में सहयोग के लिए बहुत-बहुत आभार | आप सभी इसी तरह अपना स्नेह बनाए रखें | आशा करता हूं कि आने वाले समय में यह पत्रिका बिहार में ही नहीं संपूर्ण भारत में एक मील का पत्थर साबित होगा | इसी शुभकामना के साथ पुनः बाल दिवस के ढेर सारी बधाई|

**त्रिपुरारि राय**
**सहायक शिक्षक,**
**म.वि. रौटी, महिषी (सहरसा)**
**मो.- 6202839650**

**सर्वाधिकार सुरक्षित,**
**संपादिका**

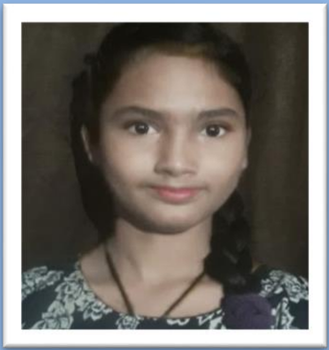

## दीप जलाएं

आओ मिलकर दीप जलाएं
इस रात के अंधियारे को
आशा की किरणों से नहलाएँ
आओ मिलकर दीप जलाएं,

मिलकर झिलमिल दीप जलाएं
मन के अंधेरों को दूर भगा कर
ज्योति किरण चहुँओर फैलाएं
अपने भारत की धरती को
मिलकर सब स्वर्ग बनाएं

वैसे तो हर एक दिन
हरता है जग का अंधियारा
लेकिन हिलमिल कर जलने से
बढ़ जाता मन का उजियारा
आओ हम सब दीप जलाएं |

:- प्रज्ञा आनंद, वर्ग- 7

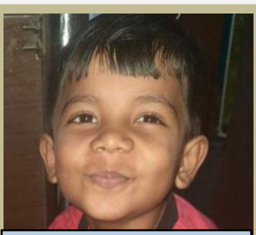

अर्नव राज

रूपक कुमार

श्रेया आनंद, वर्ग- 2

## शुभकामना सन्देश

विश्व बाल दिवस बच्चों के अधिकारों का उत्सव है | यू.एन.सी.आर.सी. द्वारा बच्चों को दिए गए अधिकारों में बच्चों के सहभागिता का अधिकार बहुत विशिष्ट है | इसमें बच्चों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता दी गई है | बच्चों के मुद्दों पर बच्चों के विचारों को सम्मान और गंभीरता से सुनना और उन्हें निर्णय लेने की प्रक्रिया में जोड़ना इस अधिकार का आधार है | बाल मंच इसी दिशा में एक अत्यंत ही सार्थक प्रयास है जिसके लिए टीचर्स ऑफ बिहार को यूनिसेफ की ओर से शुभकामनाएं और आभार | सभी बच्चों को सुंदर और सशक्त अभिव्यक्ति पर बधाई और अपने विचार अपनी कृतियां को साझा करने के लिए धन्यवाद | विश्व बाल दिवस 2020 पर बच्चों के अभिव्यक्तियों को संकलित कर उनका प्रसार अत्यंत सराहनीय है | इसे हम बड़ों को बच्चों के मन की बात, उनके सपने, उनके संघर्ष, उनके सुझाव, उनकी संवेदना, उनकी समस्याओं को जानने पहचानने का अवसर मिलता है जिसे समझकर हम बच्चों के हक में तथा बच्चों के हित में कार्य करने के लिए प्रेरित होते हैं | धन्यवाद |

**निपुण गुप्ता**
**संचार विशेषज्ञ**
**यूनीसेफ़ बिहार**

# छात्राओं ने निबंध व चित्र के माध्यम से किया नमन

सरदार बल्लभ भाई पटेल के जन्मदिवस पर विशेष

निबंध दिखाती खुशी कुमारी व सरस्वती कुमारी.

**प्रतिनिधि, कटोरिया/चांदन**

चांदन प्रखंड के मध्य विद्यालय भनरा के छात्र-छात्राओं ने शनिवार को राष्ट्रीय एकता दिवस के मौके पर निबंध व चित्र के माध्यम से देश के प्रथम गृहमंत्री सरदार पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए नमन किया. अष्टम वर्ग की छात्रा खुशी कुमारी ने अपने निबंध में लिखा कि सरदार पटेल एक महान स्वतंत्रता सेनानी और भारत के एक महान राजनीतिज्ञ थे. उनको भारत के लौह पुरुष के रूप में जाना जाता है. उनका जन्म 31 अक्तूबर 1875 को गुजरात में हुआ था. उनका पूरा नाम सरदार वल्लभ भाई झवेरभाई पटेल था. उनके पिता का नाम झवेरभाई पटेल था. जो एक किसान थे. उनकी मां का नाम लाइबा देवी था. जो एक कुशल गृहिणी थीं. वहीं छात्रा सरस्वती ने अपने संदेश में लिखा कि बिखरी हुई रियासतों का जिसने एकीकरण किया, आजाद भारत को जिसने एकता का मंत्र दिया, है नमन उनको बार-बार हमारा. मध्य विद्यालय भनरा की सहायक शिक्षिका ज्योति कुमारी के निर्देशन में अन्य छात्राओं ने आकर्षक चित्र, निबंध व कविता आदि के माध्यम से श्रद्धा सुमन अर्पित किया.

### दिव्या दर्वे

## शुभकामना सन्देश

बाल दिवस के अवसर पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। देश-विदेश के तमाम बच्चों के जीवन को सुखद एवं आनंददाई बनाने की प्रतिबद्धता का प्रतीक है यह दिवस। विश्व समाज को बेहतर करने में बच्चों की भूमिका सबसे अग्रणी है क्योंकि उनकी सोच सबसे नूतन और कल्याणमयी है। हर बच्चे को उसके सर्वांगीण विकास के लिए अच्छा माहौल मिले और उसके सार्थक जीवन का मार्ग प्रशस्त हो ऐसी कामना करता हूँ। उसकी सृजनात्मकता को सम्मान मिले और उसके लिए अच्छी शिक्षा का पूरा अवसर हो। जय हिंद।

डॉ. चन्दन श्रीवास्तव
अध्यापक शिक्षा विभाग, शिक्षा पीठ,
दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय, गया

बाल मंच कर्मठ गुरुओं और प्रतिभाशील नौनिहालों का एक साझा रंगमंच है जिसपर दोनों की सीखने एवं सिखाने की ललक का रचनात्मक प्रदर्शन होता है। इस पत्रिका के नन्हें पदचिह्नों को दूर तक की यात्रा के लिए मेरे और शिक्षा विभाग बाँका की तरफ से अशेष शुभेच्छा।

निशीथ सिंह
जिला कार्यक्रम पदाधिकारी,
समग्र शिक्षा, बाँका।

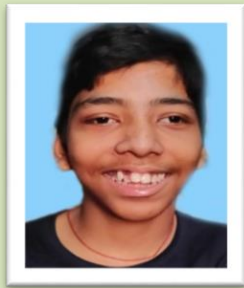

**अनुभव राज**

### सपने

आजकल मेरे सपनों में
रोज़ आते है पहाड़-नदी
हवाई जहाज-खेल के मैदान
लंबे लंबे रास्ते और
नृत्य करते लोग..
मैं चाहता हूँ कि
चढ़ जाऊँ पहाड़ की किसी चोटी
पर तैर कर पार कर लूं
किसी नदी को
कर लूं हवाई जहाज से
पूरे विश्व का भ्रमण
खेल लूँ फुटबॉल का कोई मैच
चल पड़ूँ किसी का हाथ थामे
लंबे रास्तों पर और
झूम लूँ जीवन की थिरकन लिए
समय के संगीत पर
स्वप्न टूटने से पहले ही ।

### मेरे साथी

सुबह सवेरे किरणे आयी,
मुझसे कह गयीं जागो
देर तलक न सोओ तुम
संग समय के भागो

घर से निकला बाहर तो
बादल लगा बुलाने
सूरज भी कर आँख मिचौली
मुझको लगा रिझाने

कलियों ने फिर पास बुलाया
गंध लगी बिखराने
हँस कर बोली तुम भी गाओ
भौंरों के संग गाने

हवा मचलकर लिपट गयी
पैरों से मेरे देखो
बोली चलते चलो हमेशा
बढ़ते रहना सीखो

बूंदे छमछम करती आई
बोली तुम भी आओ
छोड़ो मायूसी ये सारी
उठो जश्न मनाओ

सोचूँ कितने सुंदर प्यारे
संगी साथी मेरे
इनके संग ही खुशियों के अब
होते सुखद सवेरे

# शुभकामना सन्देश

'बालमंच' पत्रिका प्रकाशन टीम के सभी सदस्यों को बाल दिवस के अवसर पर इस विशेषांक को निकालने के लिए बहुत-बहुत शुभकामनाएं। जानकर खुशी हुई कि टीचर्स ऑफ बिहार और यूनिसेफ के सौजन्य से इस बार बच्चों और शिक्षकों के शैक्षणिक हित में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। इसके लिए आप सब बधाई के पात्र हैं। पत्रिका निर्बाध रूप से चलता रहे। मैं ऐसी कोशिश का हमेशा पक्षधर रहा हूँ। प्रकाशन टीम के रूबी कुमारी एवं त्रिपुरारी राय जी को बहुत बहुत बधाई।

मोहम्मद अहसन
उपनिदेशक, शोध एवं प्रशिक्षण शिक्षा विभाग बिहार सरकार

टीचर्स ऑफ बिहार टीम द्वारा बच्चों की प्रकाशित पत्रिका 'बालमंच' एक सार्थक प्रयास है। बच्चों में अपार क्षमता होती है। उनमें देखकर, बोलकर और सुनकर सीखने की क्षमता अधिक होती है। मात्र बच्चों के दिल से संकोच हीन भावना को बाहर निकालने की आवश्यकता है ताकि बच्चे सही एवं गलत की पहचान कर सकें एवं अपने अंदर के वैज्ञानिक को जागृत कर सकें। यह पत्रिका 'बालमंच' बच्चों के सर्वांगीण विकास में सहायक होगा एवं बालपन से ही समाज में भाईचारा एवं विकास की लंबी लकीर खींचने को अग्रसर होंगे। इस पुनीत कार्य में मैं श्री त्रिपुरारि राय एवं श्रीमती रूबी कुमारी को तहे दिल से धन्यवाद देता हूं एवं आशा करता हूं कि इस पत्रिका की प्रगति नहीं रुके।

देवेंद्र कुमार झा
क्षेत्रीय शिक्षा उपनिदेशक,
भागलपुर प्रमंडल, भागलपुर

संगीता कुमारी, म.वि.रौटी,महिषी(सहरसा)

राजन कुमार, म.वि.रौटी,महिषी(सहरसा)

संतोष कुमार

## शुभकामना सन्देश

बाल मंच के प्रकाशन के लिए टीचर्स ऑफ़ बिहार के तमाम सदस्यों को 'बाल अधिकार दिवस' तथा 'बाल दिवस' पर अनेक कार्यक्रम आयोजित करने के लिए और सिर्फ बच्चे ही नहीं शिक्षकों को भी प्रेरित करने के लिए बहुत-बहुत आभार। पत्रिका 'बालमंच' निश्चित रूप से बच्चों के साथ-साथ शिक्षकों के लिए भी काफी लाभप्रद है। इस तरह के कार्य शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर होते रहने चाहिए। मुझे इस बात की खुशी है कि हमारे जिला सहरसा से त्रिपुरारी राय जी इस टीम के अभिन्न अंग हैं। बालमंच टीम के सभी सदस्यों को पुनः बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

जिआउल हौदा खां
जिला कार्यक्रम पदाधिकारी,
समग्र शिक्षा, सहरसा

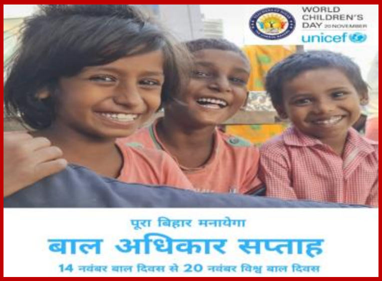

### रचिका राज

### अक्षरा

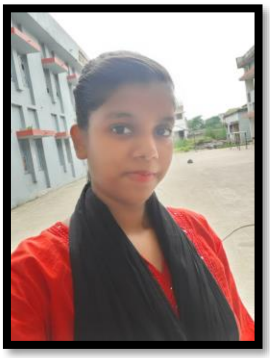

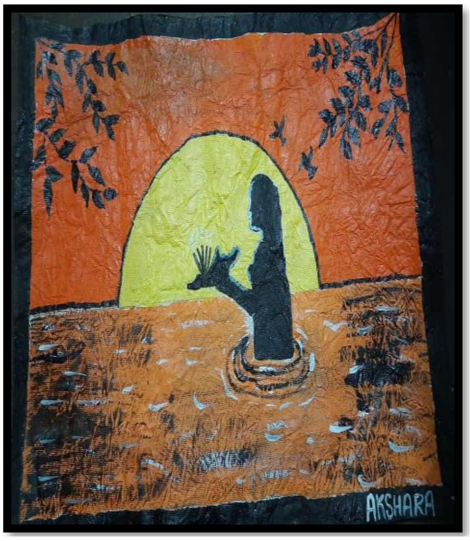

**रोचक तथ्य .........**

## UNICEF क्या है ?

यूनिसेफ (UNICEF) का फुल फॉर्म है ‘यूनाइटेड नेशन्स इंटरनेशनल चिल्ड्रेन्स इमरजेंसी फंड’ (United Nations International Children's Emergency Fund) | इसे हिन्दी में "सयुंक्त राष्ट्र अंतराष्ट्रीय आपातकालीन बाल कोष" लिखा जाता है। लेकिन मौजूदा समय में इस फुल फॉर्म से "इंटरनेशनल" व "इमरजेंसी" शब्द हटा दिए गए हैं जिस कारण यूनिसेफ की मौजूदा फुल फॉर्म **"यूनाइटेड नेशन्स चिल्ड्रेन्स फंड"** रह गई हैइस संस्था का उद्देश्य द्वितीय विश्वयुद्ध में नष्ट हुए राष्ट्रों के बच्चों को खाना और स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना था |

इसकी स्थापना संयुक्त राष्ट्र की महासभा द्वारा 11 दिसंबर 1946 को हुई थी | यूनिसेफ का मुख्यालय न्यूयॉर्क में है | यूनिसेफ के प्रथम चेयरमेन पौलेंड के Ludwik Rajchman थे | वर्तमान में इसके चेयरमेन एन वेनेमन हैं | इस संस्था को 1965 में शांति के नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था | यह संस्था 190 से अधिक देशों में कार्यरत है देशों में बच्चों को शिक्षा पोषण व स्वास्थ्य संबंधी सहायता देता है|

यूनिसेफ बच्चों को शिक्षा, पोषण, और स्वास्थ्य संबंधी सहायता देता है | यह विश्व स्वास्थ्य संगठन के साथ मिलकर कार्य करता है |

*

**मानसी मणि**

**सत्यम, वर्ग- 3**

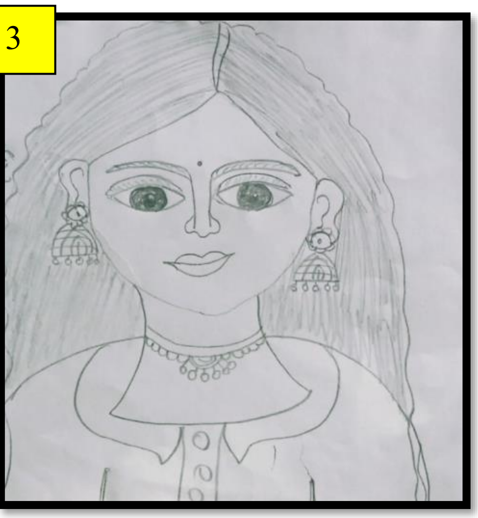

पं. जवाहर लाल नेहरू

जवाहरलाल नेहरू भारत के प्रथम प्रधानमंत्री थे | इनका जन्म इलाहाबाद में 14 नवंबर, 1889 को हुआ था | उनके पिता मोतीलाल नेहरू थे | वे अपने पिता की तरह उच्च अध्ययन के बाद वकील बन गए | वे महात्मा गांधी के साथ भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में शामिल हुए और बाद में वे सफलतापूर्वक भारत के पहले प्रधानमंत्री बने | जवाहरलाल नेहरू बच्चों के बहुत शौकीन थे और उन्हें इतना प्यार करते थे कि उनकी जयंती का मतलब 14 नवंबर को भारत में बाल दिवस के रूप में घोषित किया गया है | 'बाल सुरक्षा अभियान' भारत के बच्चों की सुरक्षा और स्वास्थ्य के लिए उनके जयंती के दिन ही भारत सरकार द्वारा चलाया गया है और साथ ही भारत के बच्चों के प्रति उनके प्यार और स्नेह को दर्शाता है | उनका जन्म दिवस भारत में विशेष रूप से बच्चों द्वारा बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है | उन्हें बच्चों द्वारा चाचा नेहरू के नाम से बुलाया जाता है | वे 1947 से 1964 तक भारत के सबसे लंबे और पहले सेवारत प्रधानमंत्री बने | उनकी मृत्यु 27 मई 1964 को हो गई | वे एक अच्छे लेखक भी थे | उन्होने बहुत सारी पुस्तकें लिखीं |

अनुष्का चौधरी

## हमारा अधिकार

हम हैं छोटे नन्हें बच्चे नादान,
है हमको भी जीने का अधिकार
मत छीनो अधिकार हमारा
बहुत छोटा सा है संसार हमारा

रोको नहीं टोको नहीं
खुलकर जीने दो, आगे बढ़ने दो
अपनी सहभागिता सुनिश्चित अब
हमको भी करने दो
पढ़ने दो आगे बढ़ने दो

शिक्षा हीं है हमारा अधिकार
बस इतना छोटा सा है संसार
हम रहें सुरक्षित और
सुरक्षित हो संसार हमारा
हमको भी दे दो अधिकार हमारा

प्रेयश मिश्रा

अमृषा आर्या

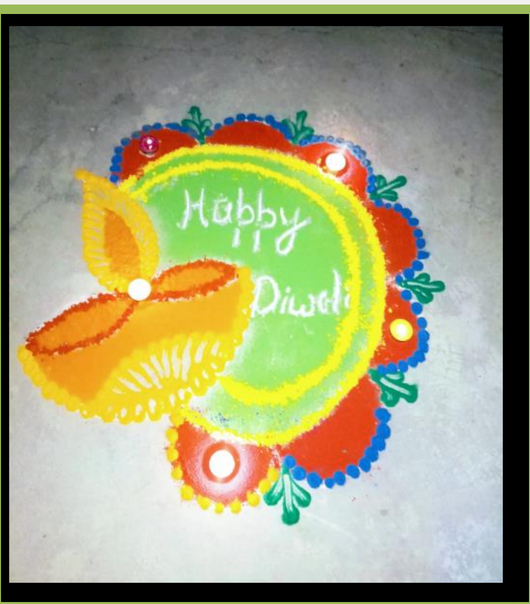

अनुराग, वर्ग- 6

# 'बाल दिवस' और 'बाल अधिकार दिवस' समाचार पत्रों के नजर में

## बच्चों के अधिकार के साथ उनके स्वास्थ्य
## शिक्षा पर भी ध्यान देना जरूरी : प्रमिला

### यूनिसेफ व टीचर्स ऑफ बिहार संयुक्त रूप से मना रहा बाल अधिकार सप्ताह

भास्कर न्यूज | बथनाहा

टीचर्स ऑफ बिहार लेट्स टॉक कार्यक्रम में बाल अधिकारों पर आज ऑनलाइन चर्चा किया गया जिसमें किरण कुमारी, राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी बिहार शिक्षा परियोजना परिषद, प्रमिला मनोहरण, शिक्षा विशेषज्ञ, यूनिसेफ बिहार कार्यक्रम में किड्स टेकओवर किया। तो वही प्रियास्वरा भारती- फाउंडर, बिहार यूथ फॉर चाइल्ड राइट्स भाव्या- बिहार यूथ फॉर चाइल्ड राइट्स, रवि रौशन-बिहार यूथ फॉर चाइल्ड राइट्स कार्यक्रम समन्वयक - नम्रता

ऑनलाइन कार्यक्रम में भाग लेते परिषद के अधिकारी व शिक्षक।

मिश्रा, द्वारा कार्यक्रम को संचालित किया गया। कार्यक्रम में पूछे गए सवालों का किरण कुमारी व प्रमिला मनोहरम द्वारा बारी बारी से जवाब दिया गया। टीचर्स ऑफ बिहार के प्रदेश प्रवक्ता रंजेश सिंह ने कहा कि किरण कुमारी राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी ने छात्रों द्वारा पूछे गए कोरोनाकाल के समय में बच्चों के अधिकार से संबंधित प्रश्नों का यथा संभव जवाब दिया तथा यह भी कहा कि माइग्रेंट परिवार के बच्चों का भी विशेष रूप से नामांकन विद्यालय में करवाया गया है। वही प्रमिला मनोहरम द्वारा बाल अधिकार की चर्चा करते हुए कहा कि बच्चों के अधिकार के साथ-साथ उनके स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण पर भी अधिकार जरूरी है। हमलोगों को मिलकर अधिकाधिक बच्चों तक पहुंचाना है साथ ही बच्चों को उनका बेसिक स्टैंडर्ड भी समझाना होगा। वही शिक्षकों को भी बाल अधिकार के प्रति संवेदनशील व्यवहार पर काम करना होगा। बच्चों की बातों को गंभीरता पूर्वक लेना शिक्षकों की प्रमुख जिम्मेदारी होनी चाहिये, जब तक बच्चे आगे नहीं होंगे बिहार आगे नही होगा।

## बाल अधिकार सप्ताह पर हुई चर्चा

वरीय संवाददाता ▷ भागलपुर

यूनिसेफ और टीचर्स ऑफ बिहार के संयुक्त तत्वावधान में पूरे बिहार में बाल अधिकार सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है. इसके अंतर्गत टीचर्स ऑफ बिहार लेट्स टॉक कार्यक्रम में वेबिनार के माध्यम से बाल अधिकारों पर चर्चा की गयी. मुख्य अतिथि बिहार शिक्षा परियोजना परिषद की राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी किरण कुमारी, यूनिसेफ बिहार की शिक्षा विशेषज्ञ प्रमिला मनोहरण ने बाल अधिकार पर व्याख्यान दिया. किड्स टेक ओवर के रूप में बिहार यूथ फॉर चाइल्ड राइट्स की फाउंडर प्रियास्वरा भारती, भाव्या व बिहार यूथ फॉर चाइल्ड राइट्स के सदस्य रवि रोशन ने अपने विचार व्यक्त किये. कार्यक्रम को नम्रता मिश्रा ने संचालित किया. वक्ताओं ने कहा कि यूनिसेफ और टीचर्स ऑफ बिहार द्वारा संयुक्त रूप से बाल अधिकार दिवस 14 से 20 नवंबर तक आयोजित किया जा रहा है, इसके अंतर्गत कई प्रकार की गतिविधियां एवं प्रतियोगिताएं टीचर्स ऑफ बिहार के सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर संचालित की जा रही हैं. वक्ताओं ने इस कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए बच्चों को प्रोत्साहित किया. कार्यक्रम में शामिल प्रियस्वरा, भाव्या समेत टीचर्स ऑफ बिहार मंच के कई शिक्षकों ने प्रश्न किये, जिसका जवाब उपस्थित अतिथियों ने दिया.

## शिक्षिका रूबी ने बच्चों के लिए लाया बाल मंच अखबार

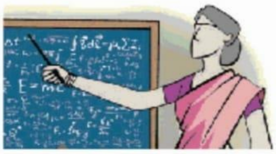

**संवाद सहयोगी, बौंसी (बांका) :** उत्क्रमित मध्य विद्यालय सरौनी की शिक्षिका रुबी कुमारी बच्चों के लिए कुछ न कुछ नया प्रयोग करके हमेशा सुर्खियों में रहती हैं। उन्होंने इन दिनों बच्चों के लिए बालमंच के नाम से मासिक अखबार प्रकाशित किया है।

लॉकडाउन के दौरान बच्चे स्वरचित प्रेरक प्रसंग, लेख, कविताएं, ड्रॉइंग, पेंटिंग आदि इसके लिए भेज सकते हैं। उन्होंने कहा कि अच्छी रचनाएं प्रकाशित कर बच्चों के हौसले को बढ़ाया जाएगा। बालमंच न सिर्फ बिहार के बच्चों को कुछ नया करने के लिए प्रेरित करती है बल्कि उनके द्वारा स्वयं किए गए कार्यों को पूरे बिहार में एक पहचान दिलाती है। टीचर्स ऑफ बिहार के फाउंडर शिव कुमार सहित अन्य ने शिक्षिका रुबी कुमारी के इस कार्य के लिए सराहना किया है।

विद्याल…

संस…

म…

गइ…

का…

को चाव… …ाकर

काफी संतुष्… …य में

शिक्षक उपस्थित थे।

सोनाली कुमारी, वर्ग- 4

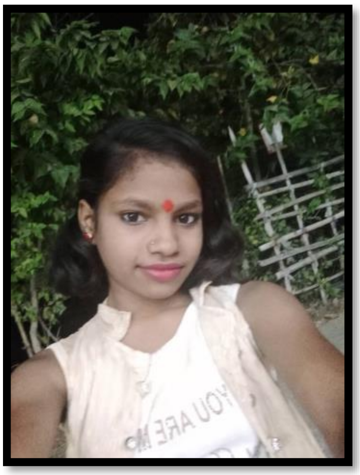

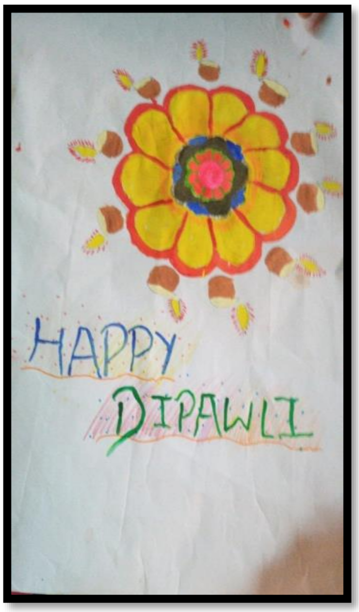

सक्षम राय, वर्ग- 1

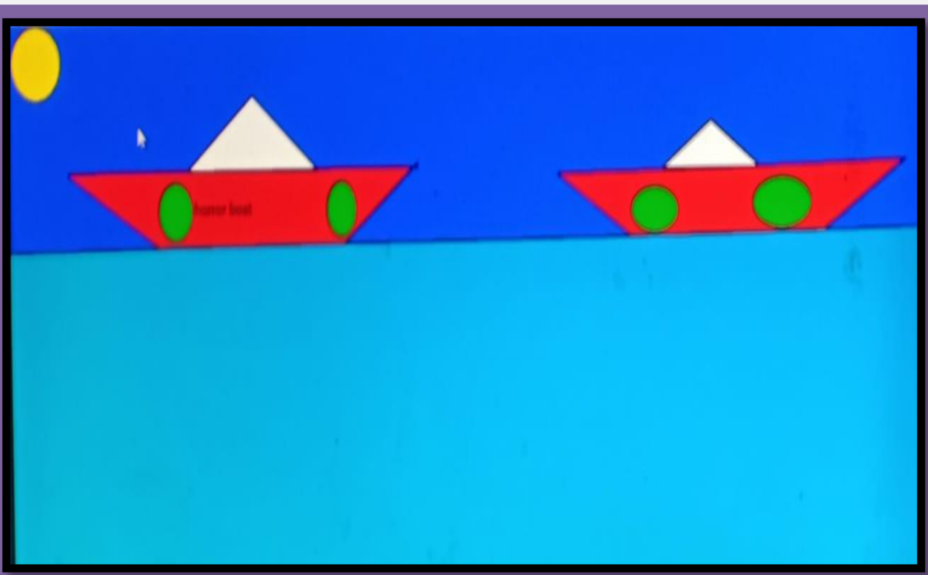

समीक्षा राय, वर्ग-3

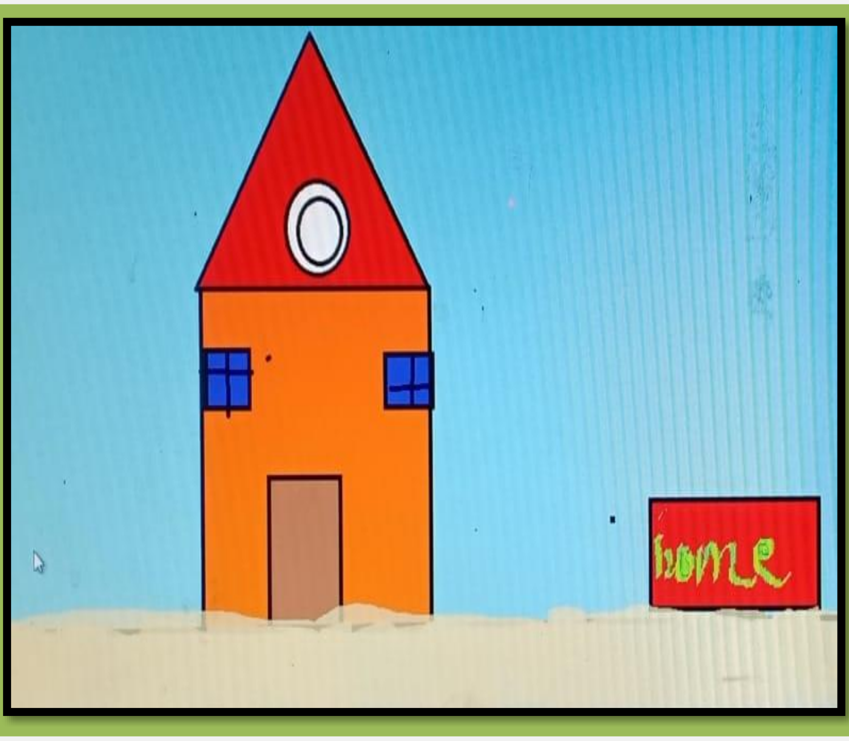

चन्दन कुमार, वर्ग- 5

## तोता

मिठू मिठू तोता
डाली के ऊपर सोता
लाल मिर्च खाता
राम राम चिल्लाता

## मेरी बात

हम लोग आम खाते हैं
रोज स्कूल जाते हैं
मम्मी से लाठी खाते हैं
पापा हमें बचाते हैं

## -: सूचना :-

**आप सभी बच्चे भी हमें अपनी रचनाएँ भेजें| उत्कृष्ट रचनाएँ, चित्रों, लेखों आदि को हम 'बालमंच' में प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे |**

**:- संपादिका**

उत्तम कुमार. वर्ग-7

## पहेलियाँ

1. ऐसा कौन सा फूल है जिसमें ना ही रंग है ना ही खुशबू?

2. वह कौन जो बिना बुलाए रात को आते हैं और सुबह बिना चुराए गायब हो जाते हैं?

.......उत्तर अगले अंक में

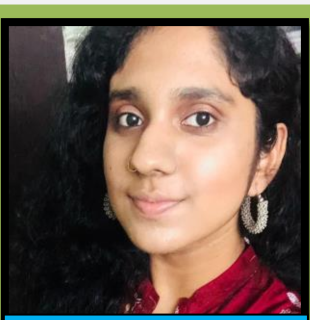

ख़ुशी प्रिया

## बचपन

खो गया है वो बचपन,
जिसकी याद आज आयी है।
कुछ ख़ास तो नहीं,
फिर भी बहुत यादें लायी है।

हर वो चीज़ जो बचपन में पाना था,
आज मेरे पास है।
फिर भी ना जाने क्यूँ,
ये तड़पन ख़ास है।

बड़ा खुद का कमरा चाहिए था,
मिल गया।
मगर किसे पता था,
ये अकेलापन डराने लगेगा।

अच्छे दोस्त चाहिए थें,
मिल गए मगर
दादा-दादी और नाना-नानी की दोस्ती
आज ज़्यादा क़ीमती है।

अच्छा खाना खाने को दिल करता था,
आज बहुत कुछ मिलता है।
मगर माँ के हाथ की दूध रोटी,
आज भी ज़्यादा ख़ास लगती है।

ज़िंदगी बहुत सीधी है,
अगर सीधेपन से ज़ियो।
ये सीखा था बचपन में,
फिर क्यूँ आज सीधी ज़िंदगी से भी
चक्कर सा आता है।

बड़े होने का इंतज़ार था
सिर्फ़ बचपन में,
ये कहाँ पता था कि
ज़िंदगी में कुछ ख़ास है ही नहीं
बचपन के बाद।

सुयश आनंद,वर्ग-6

## "चिड़िया"

चिड़िया चहक-चहक कर कहती
हर घर के आंगन में
सुबह शाम मैं गगन में रहती
कब तक मैं उड़ पाऊंगी

यह गलती है सारा तेरा
दम घुटता है अब तो मेरा
दे दो मुझे अब तो
मेरा सुखद सवेरा

तभी तुम्हारा आंगन चहकेगा
चमन भी मेरी खुशबू से महकेगा"।

## "सत्य निष्ठा"

किसी गांव में एक आम का बगीचा था। उसके मालिक के पास एक लड़का काम मांगने के लिए आया। वह आदमी उस लड़के को बगीचे की रखवाली के लिए रख लिया। वह बहुत ईमानदारी से बगीचे की रखवाली करने लगा। एक दिन बगीचे का मालिक घूमने के लिए बगीचे में आया और उस लड़के से आम खिलाने को कहा। वह लड़का कुछ आम लेकर मालिक को खाने दिया। आम खट्टा था मालिक ने गुस्सा कर कहा "सारे आम खट्टे हैं"। इतने दिन से यही काम कर रहे हो ,इस पर वह लड़का उत्तर दिया," मालिक आपने बगीचे की देखभाल की जिम्मेदारी दी थी"। आम खाने के लिए नहीं कहा था इसलिए हम यह नहीं जान पाए कि कौन से आम खट्टे हैं और कौन से मीठे। यह सुनकर लड़के की इमानदारी से खुश होकर मालिक ने वह बगीचा ही उसके नाम कर दी।

इससे यही शिक्षा मिलती है कि हमें हर काम को पूरी ईमानदारी के साथ करनी चाहिए।

## बिहार सरकार के नए मंत्रिमंडल

| क्र०सं० | मंत्री का नाम | विभाग |
|---|---|---|
| 1. | श्री नीतीश कुमार, मुख्य मंत्री | 1. सामान्य प्रशासन<br>2. गृह<br>3. मंत्रिमंडल सचिवालय<br>4. निगरानी<br>5. निर्वाचन<br>ऐसे सभी विभाग जो किसी को आवंटित नहीं है। |
| 2. | श्री तारकिशोर प्रसाद, उप मुख्य मंत्री | 1. वित्त विभाग<br>2. वाणिज्य कर<br>3. पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन<br>4. सूचना प्रावैधिकी<br>5. आपदा प्रबंधन<br>6. नगर विकास एवं आवास |
| 3. | श्रीमती रेणु देवी, उप मुख्य मंत्री | 1. पंचायती राज<br>2. पिछड़ा वर्ग एवं अतिपिछड़ा वर्ग कल्याण<br>3. उद्योग |
| 4. | श्री विजय कुमार चौधरी | 1. ग्रामीण कार्य<br>2. संसदीय कार्य<br>3. ग्रामीण विकास<br>4. जल संसाधन<br>5. सूचना एवं जन–सम्पर्क |
| 5. | श्री विजेन्द्र प्रसाद यादव | 1. ऊर्जा<br>2. मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन<br>3. योजना एवं विकास<br>4. खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण |
| 6. | श्री अशोक चौधरी | 1. भवन निर्माण<br>2. समाज कल्याण<br>3. विज्ञान एवं प्रावैधिकी<br>4. अल्पसंख्यक कल्याण |
| 7. | श्री मेवालाल चौधरी | शिक्षा |
| 8. | श्रीमती शीला कुमारी | परिवहन |
| 9. | श्री संतोष कुमार सुमन | 1. लघु जल संसाधन<br>2. अनुसूचित जाति/जनजाति कल्याण |
| 10. | श्री मुकेश सहनी | पशु एवं मत्स्य संसाधन |
| 11. | श्री मंगल पाण्डे | 1. स्वास्थ्य<br>2. कला, संस्कृति एवं युवा<br>3. पथ निर्माण |
| 12. | श्री अमरेन्द्र प्रताप सिंह | 1. कृषि<br>2. सहकारिता<br>3. गन्ना उद्योग |
| 13. | डॉ. रामप्रीत पासवान | लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण |
| 14. | श्री जिवेश कुमार | 1. श्रम संसाधन<br>2. पर्यटन<br>3. खान एवं भूतत्व |
| 15. | श्री राम सूरत कुमार | 1. राजस्व एवं भूमि सुधार<br>2. विधि |

लक्ष्मी कुमारी,वर्ग-7

# हर बच्चे के लिए सुरक्षित हो दुनिया : यूनिसेफ

**विश्व बाल दिवस**

**बाल अधिकार पर यूनिसेफ की ओर से हुआ ब्लॉगर्स मीट का आयोजन**

संवाददाता, पटना

20 नवंबर को होने वाले विश्व बाल दिवस के पूर्व गुरुवार को यूनिसेफ की ओर से एक वेबिनार सह ब्लॉगर्स मीट का आयोजन किया गया. यूनिसेफ द्वारा 14 नवंबर से 20 नवंबर तक बाल अधिकार सप्ताह मनाया जा रहा है. इस में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन हो रहा है. इसी कड़ी में यूनिसेफ बिहार द्वारा हर बच्चे के लिए एक सुरक्षित दुनिया की परिकल्पना' थीम पर ब्लॉगर्स और सोशल मीडिया इन्फ्लुएन्सर्स के साथ ऑनलाइन परिचर्चा का आयोजन किया गया. इसमें यूनिसेफ की संचार विशेषज्ञ निपुण गुप्ता ने कहा कि इस बार के विश्व बाल दिवस की थीम के तहत कोविड महामारी के साथ-साथ जलवायु परिवर्तन को प्रमुखता से उठाया गया है. हमें बच्चों के अधिकारों के प्रति सजग होने की जरूरत है. आज भी इसको लेकर समाज में जागरूकता की कमी है.

**महामारी से बच्चे सबसे ज्यादा प्रभावित**: 'बिहार के बच्चों पर कोविड-19 महामारी के प्रभाव' विषय पर अपनी प्रस्तुति में यूनिसेफ बिहार के प्रोग्राम मॉनिटरिंग एवं इवैल्यूएशन स्पेशलिस्ट प्रसन्ना ऐश ने बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा आदि से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की.

उन्होंने कहा कि इस महामारी से बच्चे सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं. मातृ व शिशु स्वास्थ्य, पोषण, स्कूली शिक्षा, स्वच्छता, सुरक्षा से जुड़े बुनियादी सुविधाओं की सुलभता और प्रयोग को लेकर यूनिसेफ बिहार और पापुलेशन काउंसिल इंस्टिट्यूट द्वारा एक समीक्षात्मक अध्ययन करवाया गया है. इसमें सामने आया है कि 80% परिवार लॉकडाउन से प्रभावित हुए हैं.

**कोरोना काल में स्वास्थ्य सेवाएं हुईं प्रभावित**

वहीं यूनिसेफ के स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ. सैयद हुब्बे अली ने कोविड काल में स्वास्थ्य सुविधाओं पर रोशनी डालते हुए कहा कि गर्भवती महिलाओं का एचआइवी टेस्ट और प्रसव पश्चात सेवाएं बुरी तरह से प्रभावित हुई हैं. ब्लॉगर आनंद कुमार ने बच्चों और युवा ब्लॉगर्स को तथ्यों के बारे में अपडेट रहने की सलाह दी. कार्यक्रम में बिहार यूथ फॉर चाइल्ड राइट्स से प्रियस्वरा और किलकारी से आकाश और अनीशा जलाल जैसे युवा ब्लॉगर्स समेत अन्य स्थापित ब्लॉगर्स और सोशल मीडिया इन्फ्लुएन्सर्स ने हिस्सा लिया.

## TEACHERS OF BIHAR
*The change makers....*

### वैज्ञानिक कारण

**प्रश्न:- पानी से भरी बाल्टी कुएं के पानी में हल्की और पानी के बाहर भारी क्यों हो जाती है?**

उत्तर:- वास्तविकता तो यह है कि पानी से भरी बाल्टी का भार हवा में और पानी में बराबर ही होता है लेकिन फिर भी वह हवा में भारी और पानी के अंदर हल्की लगती है। आर्कमिडीज का एक सिद्धांत है कि जब कोई भी वस्तु किसी द्रव में पूरी तरह या आंशिक रूप से डुबोई जाती है तो उसके भार में कुछ कमी आ जाती है और यह कमी बराबर होती है उस वस्तु के द्वारा हटाए गए द्रव के भार के।

इसलिए जब बाल्टी पानी में डूबी होती है तो बाल्टी द्वारा हटाया गया पानी के आयतन की भार के बराबर उसे भार में कमी महसूस होती है, लेकिन जब बाल्टी पानी से बाहर हवा में आती है तो जिस पानी के उछाल बल के कारण बाल्टी हल्की थी वह तो समाप्त हो जाती है और बाल्टी पर गुरुत्व बल प्रारंभ हो जाता है जो उसे नीचे की ओर खींचने लगता है। इसके परिणाम स्वरुप पानी में भरी बाल्टी कुएँ के पानी से बाहर आने पर भारी लगने लगता है।

अतः हम कह सकते हैं कि द्रवों के उछाल बल के कारण बाल्टी हल्की और पृथ्वी के गुरुत्व बल के कारण बाल्टी अधिक भारी लगती है।

**-: प्रस्तुतकर्ता :-**

त्रिपुरारि राय
मध्य विद्यालय रौटी, महिषी (सहरसा)

कल्पना कुमारी, वर्ग-6

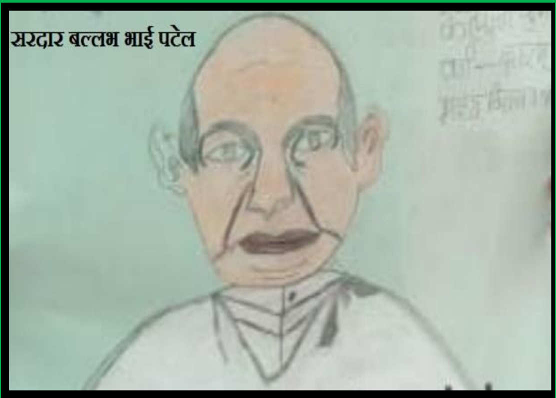

**विश्व बाल दिवस पर समर्पित**
**बचपन है अनमोल**

नन्हें- मुन्हें बच्चे आप से कहें,
बाल अधिकार का हनन ना करें।

बाल अधिकार हमारा संसार है,
इसमें खुशियाँ हमारा अपार है।

बच्चों के अधिकार का ख्याल करें,
शिक्षा, सुरक्षा, पोषण का ध्यान रखे।

बाल अधिकार हनन अपराध है,
जेल और दंड का प्रावधान है।

बचपन है अनमोल याद रखें,
बाल अधिकार का हनन ना करें।

रचना: - प्रांजलि राज
कक्षा- 5

**हमारा बाल अधिकार**

**मनपसंद शिक्षा**

**हमारा बाल अधिकार**

**सही पोषण**